



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10-10-26	3	7-8

एचएयू के वेब अनुप्रयोग को कॉपीराइट, शोधकर्ताओं को विश्लेषण में लाभ होगा

हिसार | एचएयू के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के वैज्ञानिकों के विकसित वेब आधारित अनुप्रयोग को कॉपीराइट मिला है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह पहल शोध को उपयोगी डिजिटल तकनीक में बदलने की दिशा में कदम है, जिससे अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी समाधान विकसित करने के प्रयासों को बल मिला है। कुलपति बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि वर्तमान दौर में सांख्यिकीय विश्लेषण और कंप्यूटर आधारित उपकरण आधुनिक शोध की जरूरत बन चुके हैं और ऐसे अनुप्रयोग शोधकर्ताओं का काम आसान कर शोध की गुणवत्ता सुधार सकते हैं। विभाग के ओ.पी. श्योराण ने बताया कि यह अनुप्रयोग उन अध्ययनों में विशेष मददगार है, जिनमें एक ही विषय पर अलग-अलग समय पर प्राप्त आंकड़ों का दोहराए गए मापों के आधार पर विश्लेषण करना पड़ता है। यह उपकरण आंकड़ों को व्यवस्थित समझने, परिणामों की बेहतर व्याख्या में सहायक होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.10.26	4	1-2

आंकड़ों के विश्लेषण को आसान बनाएगा हकूवि वैज्ञानिकों का वेब अनुप्रयोग



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ अधिकारी।

हिसार, 9 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के वैज्ञानिकों ने अनुसंधान को उपयोगी डिजिटल तकनीक में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

विभाग के डॉ. ओ.पी. श्योराण, डॉ. सरिता रानी, डॉ. विनय कुमार एवं डॉ. मंजू एस. टोंक द्वारा आंकड़ों के विश्लेषण के लिए विकसित किए गए वेब आधारित अनुप्रयोग को कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में अनुसंधान, नवाचार और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.

बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि वर्तमान समय में अनुसंधान को डिजिटल तकनीक से जोड़ना बहुत आवश्यक है। आधुनिक शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण और कंप्यूटर आधारित उपकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे उपयोगी सॉफ्टवेयर और वेब आधारित अनुप्रयोग शोधकर्ताओं के कार्य को आसान बनाने के साथ-साथ शोध की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रयास है कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे अनुसंधान का लाभ केवल शोध कार्य तक सीमित न रहे, बल्कि उसे व्यावहारिक रूप में भी विकसित किया जाए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सजीत समाचार	10.10.26	9	7-8

आंकड़ों के विश्लेषण को आसान बनाएगा हकूवि वैज्ञानिकों का वेब अनुप्रयोग



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ अधिकारी।

हिसार, 9 अक्टूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के वैज्ञानिकों ने अनुसंधान को उपयोगी डिजिटल तकनीक में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विभाग के डॉ. ओ.पी. श्योराण, डॉ. सरिता रानी, डॉ. विनय कुमार एवं डॉ. मंजू एस. टोंक द्वारा आंकड़ों के विश्लेषण के लिए विकसित किए गए वेब आधारित अनुप्रयोग को कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में अनुसंधान, नवाचार और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनुसंधान को डिजिटल तकनीक से जोड़ना बहुत आवश्यक है। आधुनिक शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण और कंप्यूटर आधारित उपकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अनुसंधान के परिणामों को सॉफ्टवेयर, डिजिटल उपकरण और अन्य तकनीकी समाधानों में बदलने से उनकी उपयोगिता और पहुंच बढ़ती है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे अपने शोध एवं नवाचारों को उपयोगी तकनीकों में बदलने के साथ-साथ उन्हें बौद्धिक संपदा के रूप में संरक्षित करने की दिशा में भी निरंतर कार्य करें। डॉ. ओ.पी. श्योराण ने बताया कि यह वेब आधारित अनुप्रयोग उन शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी हो सकता है, जिन्हें एक ही विषय से अलग-अलग समय पर प्राप्त आंकड़ों का वैज्ञानिक एवं सांख्यिकीय विश्लेषण करना होता है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढोंगड़ा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक व डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि मूिम	10.10.26	12	2-5

एचएयू के वैज्ञानिकों ने विकसित किया आंकड़ों के विश्लेषण का वेब अनुप्रयोग, कॉपीराइट मिला

■ दोहराए गए मापों के आंकड़ों का वैज्ञानिक विश्लेषण करने में शोधकर्ताओं को मिलेगी मदद
हरिभूमि न्यूज ► हिसार



एचएयू के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के वैज्ञानिकों डॉ. ओपी श्योराण, डॉ. सरिता रानी, डॉ. विनय कुमार एवं डॉ. मंजू एस. टोंक द्वारा आंकड़ों के विश्लेषण के लिए विकसित वेब आधारित अनुप्रयोग को कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि विवि में अनुसंधान, नवाचार और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को

दर्शाती है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि वर्तमान समय में अनुसंधान को डिजिटल तकनीक से जोड़ना आवश्यक है। आधुनिक शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण और कंप्यूटर आधारित उपकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे उपयोगी सॉफ्टवेयर और वेब आधारित अनुप्रयोग शोधकर्ताओं के कार्य को

आसान बनाने के साथ शोध की गुणवत्ता बेहतर करने में भी सहायक होते हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल दींगड़ा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक और डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।

यह होगा फायदा

डॉ. ओपी श्योराण ने बताया कि यह वेब आधारित अनुप्रयोग उन शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी है, जिन्हें एक ही विषय से अलग-अलग समय पर प्राप्त आंकड़ों का वैज्ञानिक एवं सांख्यिकीय विश्लेषण करना होता है। दोहराए गए मापों से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण की प्रक्रिया सामान्य आंकड़ों से अलग होती है। ऐसे में यह अनुप्रयोग आंकड़ों को व्यवस्थित तरीके से समझने और उनका वैज्ञानिक विश्लेषण करने में मदद कर सकता है। इससे शोधकर्ता अपने शोध के आंकड़ों का आसानी से विश्लेषण कर परिणामों को अधिक प्रभावी ढंग से समझ सकेंगे।